पंछी बचावो प्रकृति बचावो:

हर पंछी हिन्दू संस्कृति मे भगवान का परिवहन हे.

मुरगा माता का

मोर सरस्वती माताका ओर कार्तिकेयस्वामी का प्रिय वाहन हे.

गरुड विष्णुजी का

हंस गायत्रीमाता का

कौआ शनि महाराज का

अगर पक्षी ही नही रहेंगे तो ?

भगवान हमारे यहाँ केसे आयेंगे?

अंतिमधाम
www.antimdham.com
+91-98255-23478

- हिन्दु संस्कृति मे मृत्यु के बाद पिंडदान ओर पितृवास कौऐ को डाला जाता हे. क्युकि कौऐ मे पितृ की आत्मा हे.

- पारसी, मृत्युके बाद मृतदेह को बाज, चील, गीधड जेसे माँसाहारी पंछी को समर्पन करते हे.

- पंछी बीना आकाश, सिंगार बिना स्त्री जेसा हे.

- मेने चीन के एक प्रवासमे पुछा,
- आपके आकाश मे कोइ पंछी क्यु नही दिखता?
- चीने का जवाब था की,
- हम सब पंछी खा गये.

- पंछी प्रकृति को समतोलन मे रखते हे.
- पंछी की मधुर आवाज जीवंत रखता हे.
- पंछी वन विस्तरण मे मदद करते हे.

- पंछी की बली से नही, मगर
- पंछी बचाने से, भगवान खुश होते हे.
- इसलीये माँसाहार त्यागो.

अंतिमधाम
www.antimdham.com
+91-98255-23478

- पंछीओ को पिंजरे मे केद मत करो, आज़ाद करो.

अंतिमधाम द्वारा पंछीओ के लीये चबुतरे बनाये जाते हे.

चबुतरे बनाने के लिये आपका सहयोग दे.